विभिन्न कार्य पद्यति (Techniques)

- Pre-lightening/Pre-coloring
- Global color
- High lightening

- **Pre-lightening/Pre-coloring**

इस विधि में बाल का प्राकृतिक रंग या कोई पहले से किया गया रंग निकालना प्री लाइटनिंग तकनीक कहा जाता है। दोनों ही परिस्थितियों में

- प्राकृतिक रूप से बाल सफेद होना।

- बाल के प्राकृतिक रंग के निकालने के पश्चात।

जिसके द्वारा क्लाइंट की इच्छा अनुसार बाल में रंग प्राप्त किया जा सके।

- **वैश्विक रंग (Global color): सभी बालों पर एक जैसा रंग करने की क्रिया को ग्लोबल कलरिंग कहते है। इस विधि के द्वारा एक ही रंग प्राप्त किया जा सकता है।**

- अस्थाई रंग करने के लिए भी वेश्विक रंग प्राप्त किए जा सकते है।

- अर्ध स्थाई विधि में मेंहदी के द्वारा वेश्विक रंग प्राप्त किया जा सकता है

- जिससे सफेद बाल को ढका जा सके

- स्थाई विधि द्वारा बाल को रंगने के लिए ऑक्सीकारक एजेंट और एक क्षरीय तत्व होता है। स्थायी हेयर कलर को हाईड्रोजन पैरो क्साइड जिसका पीएच २.५ और ४.५ के बीच हो के साथ मिलाया जाता है। अधिकांश स्थायी हयेर कलर उत्पाद में उचित कलर लाने के लिए दस,बीस तीस चालीच आयतन वाले हाइड्रोजन पैरोक्साइड का प्रयोग किया जाता है जो बाल में नव वृद्धि तक बना रहता है।

हाई लाइटनिंग (High lightening)

इस प्रक्रिया में कॉर्टेक्स लेयर (Cotex layer) **में विद्यमान रंग के कणों को बालों से निकालेंगे की विधि है। फ्रांस के नार्ड लुईस द्वारा वर्ष** 1818 **में खोजे गए हार्डड्रोजन पेरोक्साइड की खोज ने चमक की प्रक्रिया में तेजी लाई। जिसके द्वारा बाल को हल्का करने का प्रयोग अधिक प्रचलित हो गया। प्रत्येक प्रकार के लाइटनर की अद्वितीय क्षमता, रासयनिक विशेषताएं और सूत्रीकरण प्रक्रियाएं होती है।**

- **बाल को हल्का करने वाले रसायन क्षारीय रसानयन होते है जो सामान्य रूप से तरल, पाउडर या क्रीम के रूप में उपलब्ध है। इसे अम्लीय हाइड्रोजन पेराक्साइड के साथ मिलाया जाता है।**
- **तरल हाइलाइटनर :- अमोनिया जल के साथ हाइड्रोजन पेरौक्साइड के इस्तेमाल कर लाइटनर बनाए जाते है। इस मिश्रण को क्षारीय बनाने के लिए अमोनिया जल की आवश्यकता होती है। ताकि बाल में प्रवेश करके रंग लाया जा सके।**
- **क्रीम लाईटनर (Cream lightner) :- क्रीम लाईटनर प्रयोग में आसान होते है क्योंकि ये बहने या रिसने वाले नही होते है। इन्हें नियत्रित करना आसान होता है। इनमें कंडीशनर और इमुल्सिफायर, जो बाल के रंग को हल्का करने में सहयोग देते है। इनके द्वारा बाल मुलायम और आसानी से संभाले जा सकते है। इसका प्रयोग सिर की त्वचा के निकट के बाल पर लगाने के लिए किया जाता है। ब्रश और बोतल विधि द्वारा इसका प्रयोग किया जाता है।**
- **पाउडर युक्त लाईटनर (Powder lightner) :- पाउडर युक्त लाईटनर को "तेज लाईटनर" के रूप में भी जाना जाता है क्योकि यह तेजी से कार्य करते है और अधिक क्षारीय होते है। यह प्रायः फ्रोस्टिंग के लिए प्रयोग किया जाता है। पाउडर युक्त लाईटनर को कार्यशील बनाए रखने के लिए नमी युक्त बनाए रखना आवश्यक है। नमी सूख जाने पर यह कार्य करना बंद कर देते है।**

समय लाने हेतु प्रसंस्करण समय (Time managment)

- **प्राकृतिक बाल रंग जितना काला होता है इसमें मेलानिन (रंग के कण) उतने ही अधिक होगें। जितना अधिक मेलानिन होगा रंग में चमक लाने में उतना ही अधिक समय लगेगा।**
- **प्राकृतिक रंग में चमक लाने के लिए आवश्यक समय इसकी छिद्रलता पर भी निर्भर करता है। इसी रंग स्तर के छिद्रित बाल में सामान्य बाल की अपेक्षा अधिक तेजी से लाइटन होगा क्योंकि ब्लीचिंग एजेंट बाहरी आवरण में अधिक तेजी से प्रवेश करता है।**
- **हाइड्रोजन पेराक्साइइड मापने का प्रतिशत सक्रिय अवयव की मात्रा बताता है। ३प्रतिशत घोल में 3 प्रतिशत संघटक सक्रिय ऑक्सीजन गैस होता है और अन्य 97 प्रतिशत मे पानी और अन्य निष्क्रिय अवयव होते है।**

हेयर लाइनटर के लाभ (Advantages of hair lightners)

- **हेयर लाइटनर से पेशवर सौंदर्य विशेषज्ञत बालों के सभी सात चरण (ये स्तर है- काला, भूरा, लाल, सुनहला, पीला, हल्का पीला) में**

अत्यधिक भूरे अथवा काले से एकदम हल्के पीले रंग तक समग्र रूप से चमक लाता है।

- हेयर लाइटनर टींट की अपेक्षा अधिक लिफ्टिंग क्षमता प्रदान करता है।
- लाइटनर का प्रयोग पूर्व में लगाए गए अनचाहे रंग को सही करने के लिए किया जाता है।

हेयर लाइटनरों की कमियाँ **(Disadvantages of hair lightners)**

- उचित सावधानियाँ नही बरतने पर हेयर लाइटनर से बाल को नुकसान पहुँच सकता है।
- बाल को नियमित रूप से बार बार कंडिशनिंग करने की आवश्यकता होती है क्योंकि बाल में चमक लाने की प्रक्रिया से बाल के रेशों से अधिक छिद्रिलता आती है और तल पर चमक में कमी आती है।

हेयर लाइटिनिंग तीन विधियों के द्वारा प्राप्त की जा सकता है

- **कैप तकनीक (Cap method)**
- **फ्वाइल तकनीक (Foil method)**
- **बलायेज अथवा फ्री फार्म तकनीक (Balayage or free form method)**
- **कैप तकनीक:** कैप तकनीक मे तले प्लास्टिक अथवा हुक सहित प्रयोग किए जाने वाले कैप के माध्यम से बाल की लटों को खींचकर साफ किया जाता है। जितनी संख्या में बाल की लटों को बाहर निकाला जाता है केवल उन्ही पर ही लाइटनिंग का मिश्रण लगता है।
- **फ्वाइल तकनीक:** टेल कॉम्ब की सहायता से बाल का 1/8 इंच (0.3 cm) खंड को लेना, बाल को फ्वाइल के ऊपर रखना और लाईटनर या रंग लगाना शामिल है। यह सिकोड़ना पेंटिंग का एक वैकल्पिक तकनीक है।
- **बलायेज अथवा फ्री फार्म तकनीक:** यह फ्री फॉर्म तकनीक बालों पर लाइटनर को ऊपर से नीचे लेकर ब्रश की सहायता से या कंघी के द्वारा लगाया जाता है।

अगर केश में निम्नलिखित एक या एक से अधिक लक्षण पाए जाते है तो केश को क्षतिग्रस्त माना जाता है।

- रूखी सूखी संरचना
- अति छिद्रिल हालत
- छूने पर भुरभुरा एव सूखा
- टूटने की अति संवेदनशीलता
- लचक की कमी
- गीला होने पर स्पंजी और चमकहीन दिखना

इस स्थिति से निपटने के लिए:

- भेदक अनुकूलक (Panetrating conditioner) का इस्तेमाल जो प्रोटीन, तेल और नमी जमा कर सके।
- अनुकूलन उपचार के बाद भी अगर बाल अप्रतिक्रियाशील बना रहे तो किसी भी तरह से उपचारों को स्थगित कर दें।

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगें

- बाल में सही टोन लाना
- आधार रंग व अवधि का ज्ञान
- रिकार्ड कार्ड का महत्व

नंबरिंग सिस्टम (Numbering system): बालों के रंग के काम करने के तरीके के बारे में कुछ जानना आवश्यक है। अंतर्राष्ट्रीय रंग क्रमांकन प्रणाली का उपयोग करने से पता लगता है कि कौन सी गहराई और टोन बालों को सबसे अच्छा लगेगा। कुछ विख्यात कम्पनियों के प्रयास से हेयर कलर नंबरिंग सिस्टम को डिकोड किया गया है। यह एक महत्वपूर्ण उपकरण है जो हेयर कलर सर्विस को बेहतर ढंग से समझने में मदद करता है।

प्राकृतिक आधार रंग को समझने के लिए यह जानना आवश्यक है कि स्तर प्रणाली दस संख्याओं से बनी होती है। जो प्राकृतिक बालों की गहराई के स्तर को निर्धारित करने में मदद करती है।

ट्युब पर दिखाई देने वाली पहली संख्या आधार रंग है।

यह संख्या उस स्तर को अंकित करती है जिसे हम प्राप्त करना चाहते है अर्थात रंग कितना हल्का या गहरा है।

रंग के मौजूद टोन को जो कलर उत्पाद ट्युब पर दूसरे और तीसरे नंबर पर दिखता है जो कि अवधि के निशान के बाद दिखाई देता है। यह रंग में मौजूद टोन को दर्शाता है जैसे 1 राख, 3 सुनहरा, 4 ताँबा, 6 लाल।

उत्पाद ज्ञान (product knowledge): हेयर कलरिंग प्रक्रिया में केमिकल्स का प्रयोग होता है जो बालों के रंग में विभिन्न प्रकार के बदलाव लाते है। इसलिए इनके प्रयोग करते समय विशेष सावधानियों का ध्यान रखना चाहिए ।

- निर्माता के निर्देशकों को प्रयोग से पहले अवश्य पढ़ें।
- विनिर्माण और समाप्ति की तारीख को अवश्य पढ़ें।
- बाल के प्रकार का ज्ञान व नम्बरिंग का ज्ञान होना आवश्यक है।

रिकार्ड कार्ड

बालों की रंगाई उपचार में कठिनाईयों से बचने के लिए रिकार्ड कार्ड रखना महत्वपूर्ण है। जैसे जल्द सूख जाता है, रंग तीव्र गति से नही फैलता है आदि जैसी सूचनाओं के साथ रिकार्ड रखा जाना चाहिए।

ग्राहक के बालों की रंगाई संबंधी रिकार्ड

नाम ..... दूरभाष संख्या.....

पता ..... शहर.....

पट्टी परीक्षणः नेगेटिव ☐ पॉजिटिव ☐ दिनांकः.....

बाल के प्रकार

रूप ..... लंबाई..... चमक ..... छिद्रिलता .....

सीधा ..... छोटा ..... रूखा ..... अत्यधिक छिद्रिल ..... रेसिडेंशियल .....

लहराने वाला ..... मध्यम..... मध्यम ..... छिद्रिल ..... अधिक रेसिडेंसशियल .....

घुंघराला ..... लंबा..... अच्छा ..... सामान्य ..... वेव्ड .....

बाल की स्थिति

सामान्य .☐..... सूखा .☐..... तैलीय ☐.....

बाल की रंगाई प्रक्रिया

संपूर्ण सिर..... अनुशोधन..... अपेक्षित रंग .....

परिणाम

अच्छा ☐ बेकार ☐ अत्यधिक हल्का ☐ अत्यधिक काला ☐

उद्देश्य : इस अध्याय के अंत में आप सीख पायेंगें

- लट परीक्षण का प्रयोग
- पटटी परीक्षण की प्रकिया
-
-

एलर्जी टेस्ट प्रक्रिया (Allergy test procedure):

लट परीक्षण (Strand test): ग्राहक पर एलर्जी टेस्ट प्रक्रिया को दो स्थिति में किया जाता है

- जब ग्राहक पहली बारी रसायनिक प्रक्रिया का प्रयोग कर रहा हो

- जब ग्राहक कोई नया रंग का प्रयोंग पहली बारी करें।

- लट परीक्षण के लिए मिक्सचर को निर्माता के निर्देशानुसार मिलाते हुए तैयार करें।

- सिर के निचले हिस्से में बाल की आधा इंच लंबाई व चौडाई में लट का टुकड़ा लें।

- मिश्रण को लट पर लगाकर सिल्वर फॉइल में लपेटें ।

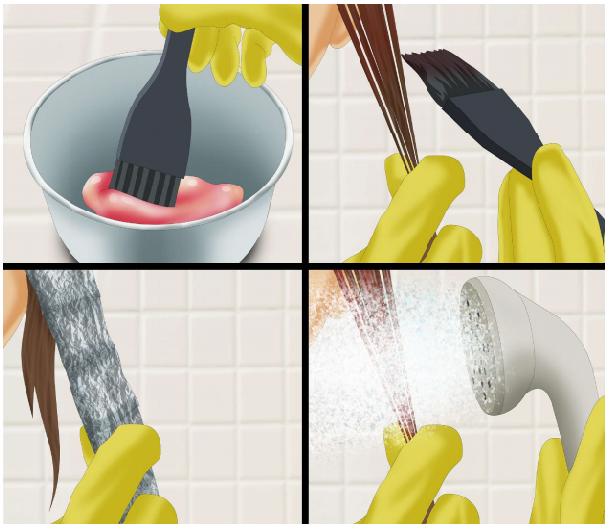

- अपेक्षित रंग प्राप्त होने तक हर पाँच मिनट के अंतराल पर होने वाले बदलाव की जाँच करें।

- समय को नोट करें । जब संतोषजनक रंग आ जाये तो रक्षा के लिए लगाए गए सिल्वर फॉइल को हटा दें।

- इसे पानी से अच्छी तरह धोएँ। तौलिए से अच्छी तरह सुखाएँ और परिणाम का अवलोकन करें।

- यदि किसी भी प्रकार का कोई प्रतिक्रिया जैसे खुजली, लाल चकत्ते आदि न होने पर इसका प्रयोग किया जा सकता है। अर्थात परिणाम के संतोषजनक रहने पर इस रंग का प्रयोग किया जा सकता है। अन्यथा प्रयोग न करें।

पट्टी परीक्षण (Patch test)

- पट्टी परीक्षण के लिए ग्राहक के कपड़े व त्वचा की सुरक्षा के लिए नेक केप लगायें।

- स्थायी रंग लगाने से पूर्व पट्टी परीक्षण के परिणाम को 24 से 48 घंटे तक का समय दिया जाता है।

- मिक्सचर को निर्माता के निर्देशानुसार मिलाते हुए तैयार करें।

- इसे कान के पीछे या कोहनी के भीतरी भाग पर लगायें। यदि किसी भी प्रकार का कोई प्रतिक्रिया जैसे खुजली, लाल चकत्ते आदि न होने पर इसका प्रयोग किया जा सकता है।

- यदि कोई जलन या लाल धब्बा दिखाई दें तो इस मिश्रण का प्रयोग नही करें अन्यथा प्रयोग किया जा सकता है।